हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा "प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम" के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय, दियोरीघाट, ठियोग, जिला शिमला, हि. प्र. में व्याख्यान का आयोजन

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय, दियोरीघाट, ठियोग, जिला शिमला के 10+1 एवं 10+2 के विज्ञान संकाय के लगभग 50 विद्यार्थियों के लिए वानिकी तथा पर्यावरण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक 26 नवम्बर 2018 को एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन जवाहर नवोदय विद्यालय, दियोरीघाट, ठियोग, शिमला, हि. प्र. में किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून तथा नवोदय विद्यालय समिति, नई दिल्ली के मध्य हुए एक समझौता ज्ञापन के अंतर्गत किया गया। इस समझौता ज्ञापन के तहत परिषद् के अंतर्गत देश के विभिन्न भागों में स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों को वानिकी एवं पर्यावरण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से **"प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम"** प्रारंभ किया गया है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में **श्री अश्वनी कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी**, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों तथा संकाय का अभिनंदन तथा स्वागत किया। उन्होंने हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्थान पश्चिमी हिमालयी राज्यों - हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर में वानिकी एवं वानिकी अनुसंधान तथा पर्यावरण सरंक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। तदोपरांत उन्होंने विद्यार्थियों को पॉवर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान में चल रही अनुसंधान गतिविधियों के बारे में भी अवगत करवाया।

डॉ. वनीत जिष्टू, वैज्ञानिक, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने पॉवर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से **"जल – एक आवश्यक प्राकृतिक संसाधन"** के बारे में विद्यार्थियों को पॉवर पॉइंट प्रस्तुति के माध्यम से विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने जल सरंक्षण करने की आवश्यकता, जल सरंक्षण करने के तरीकों तथा इसके फ़ायदों के बारे में विद्यार्थियों को विस्तृत जानकारी प्रदान की। विद्यार्थियों ने संस्थान के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा में गहन रूचि तथा उत्साह दिखाया।

कार्यक्रम के अंत में जवाहर नवोदय विद्यालय के **प्रधानाचार्य प्रभारी , श्री दिनेश कुमार** के साथ संस्थान के प्रतिनिधियों ने **प्रकृति** कार्यक्रम के बारे में विस्तार से चर्चा की । संस्थान के प्रतिनिधियों ने प्रधानाचार्य को बताया कि वित्त-वर्ष 2019-20 में इस कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित की जाने वाली विस्तार गतिविधियों हेतु एक विस्तृत कैलेंडर तैयार किया जाएगा तथा विद्यार्थियों व शिक्षकों के शैक्षणिक भ्रमण पर भी विचार किया जाएगा । इस कार्यक्रम के आयोजन में **श्री श्याम सुंदर, तकनीशियन** ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

<u>कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ</u>

मीडिया कवरेज़

ठियोग जेएनवी के छात्रों ने जाना पर्यावरण संरक्षण

हिमाचल दस्तक ब्यूरो। शिमला

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा 'प्रकृति : छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम' के अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय, दियोरीघाट ठियोग में व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय, दियोरीघाट, ठियोग, शिमला के एनस वन एवं एनस टू के विज्ञान संकाय के लगभग 50 विद्यार्थियों के लिए वानिकी तथा पर्यावरण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को एक कार्यक्रम का आयोजन जवाहर नवोदय विद्यालय, दियोरीघाट, ठियोग में किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अश्वनी कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने जवाहर नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों तथा संकाय का अभिनंदन तथा स्वागत किया। उन्होंने हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह संस्थान पश्चिमी हिमालयी राज्यों - हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर में वानिकी एवं वानिकी अनुसंधान तथा पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

◆ ग्यारहवीं व बारहवीं के 50 छात्रों ने ली जानकारी

जे.एन.वी. में कार्यशाला का आयोजन

शिमला, 26 नवम्बर (ब्यूरो): हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एच.एफ.आर.आई.) शिमला द्वारा प्रकृति छात्र-वैज्ञानिक मिलन कार्यक्रम का आयोजन ठियोग के जवाहर नवोदय विद्यालय देवरीघाट में किया गया। भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद देहरादून तथा नवोदय विद्यालय समिति नई दिल्ली के मध्य एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया गया है, जिसके तहत परिषद के अंतर्गत देश के विभिन्न भागों में स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान संस्थानों के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों को वानिकी एवं पर्यावरण के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम की शुरूआत की गई है।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Tue, 27 November 2018
betapunjabkesari.epapr.in/c/3435552